

21 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

सामाजिक मुद्दे:

1. LGBTQ व्यक्तियों को उनकी पहचान के खिलाफ करने के लिए परामर्श का उपयोग न करें: सर्वोच्च न्यायालय

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

स्वास्थ्य:

1. एक समय में एक क्षेत्र से बीमारियों को खत्म करना:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. नाइजीरिया में व्यापक अपहरणों पर:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. कर्नाटक ने कुछ रंग एजेंटों पर प्रतिबंध क्यों लगाया है?
2. बीईएमएल ने मुख्य युद्धक टैंकों के लिए स्वदेशी 1,500 एचपी इंजन का परीक्षण किया:
3. नासा के जिस यान ने अंतरिक्ष की चट्टान का रास्ता बदला और उसका आकार भी बदल दिया:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

LGBTQ व्यक्तियों को उनकी पहचान के खिलाफ करने के लिए परामर्श का उपयोग न करें: सर्वोच्च न्यायालय

सामाजिक मुद्दे:

विषय: सामाजिक सशक्तिकरण।

मुख्य परीक्षा: एलजीबीटीक्यू अधिकार।

विवरण:

- सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) ने इस बात पर जोर दिया कि एलजीबीटीक्यू+ व्यक्तियों के लिए अदालत द्वारा आदेशित परामर्श का उद्देश्य उनकी इच्छाओं का पता लगाना होना चाहिए, न कि उनकी पहचान या यौन अभिविन्यास को प्रभावित करना।
- ऐसी काउंसलिंग से गुजरने वाले व्यक्ति अक्सर परेशान होते हैं या रिश्तेदारों द्वारा अपने साथियों से अलग कर दिए जाते हैं, जिससे संवेदनशीलता सर्वोपरि हो जाती है।

न्यायिक उत्तरदायित्व और संवैधानिक मूल्य:

- न्यायाधीशों से आग्रह किया जाता है कि वे संविधान (Constitution) द्वारा संरक्षित LGBTQ+ व्यक्तियों पर अपने व्यक्तिपरक मूल्यों को थोपने से बचें।
- मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने सहानुभूति और करुणा के महत्व पर जोर देते हुए न्यायाधीशों को निर्देश दिया कि वे जन्म के परिवार के प्रति पक्षपातपूर्ण विचारों या व्यक्तिगत सहानुभूति से बचें।

अदालती कार्यवाही के लिए दिशानिर्देश:

- अदालत एलजीबीटीक्यू+ व्यक्तियों द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas corpus) याचिकाओं और सुरक्षा के लिए याचिकाओं के लिए दिशानिर्देश बनाती है।

- अदालतों को हिरासत में लिए गए या लापता व्यक्तियों की स्वतंत्र इच्छा का सम्मान करते हुए कानून का पालन सुनिश्चित करना चाहिए।
- न्यायिक कार्यवाही में होमोफोबिक या ट्रांसफोबिक निहितार्थ वाली सामाजिक नैतिकता से बचा जाना चाहिए।

चुने हुए परिवारों की मान्यता:

- "परिवार" की अवधारणा चुने हुए परिवारों को शामिल करने के लिए जन्म देने वाले परिवार से परे फैली हुई है, विशेष रूप से हिंसा या सुरक्षा की कमी का सामना करने वाले एलजीबीटीक्यू + व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण है।
- मुख्य न्यायाधीश ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच चुने हुए परिवारों द्वारा प्रदान किए गए स्थायी समर्थन पर प्रकाश डाला, जो एलजीबीटीक्यू + व्यक्तियों के जीवन में उनके महत्व को रेखांकित करता है।

सारांश:

- सुप्रीम कोर्ट ने एलजीबीटीक्यू+ व्यक्तियों की पहचान को बदलने के लिए अदालत द्वारा आदेशित परामर्श का उपयोग करने के प्रति आगाह किया है। सहानुभूति और निष्पक्षता पर जोर देते हुए, यह एलजीबीटीक्यू+ जीवन में चुने हुए परिवारों के महत्व को पहचानते हुए न्यायिक कार्यवाही के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करता है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

एक समय में एक क्षेत्र से बीमारियों को खत्म करना:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

स्वास्थ्य:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: बीमारियों को खत्म करने के लिए क्षेत्रीय दृष्टिकोण।

विवरण: रोग उन्मूलन रणनीति

- "समाप्ति और उन्मूलन का अंतर करना": बीमारी को पूरी तरह से खत्म करने के बजाय संचरण को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- रोग उन्मूलन का महत्व: यह सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है, विशेष रूप से कमजोर आबादी को लाभान्वित करता है।
- कठोर प्रमाणन आवश्यकताएँ: अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्रमाणन के लिए कठोर तैयारी की आवश्यकता होती है, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, निदान और निगरानी में सुधार होता है।
- राजनीतिक और नौकरशाही प्रतिबद्धता: रोग उन्मूलन उच्च राजनीतिक और नौकरशाही प्रतिबद्धता को जन्म देता है, जो सफलता के लिए आवश्यक है।

चुनौतियाँ और विचार:

- संसाधन गहन प्रकृति: उन्मूलन प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों की आवश्यकता होती है और कमजोर स्वास्थ्य प्रणालियों पर दबाव पड़ सकता है, जिससे संभावित रूप से अन्य स्वास्थ्य प्राथमिकताओं की उपेक्षा हो सकती है।
- लागत-लाभ विश्लेषण: रोग उन्मूलन रणनीतियों की योजना बनाने से पहले, सूचित राजनीतिक समर्थन के साथ-साथ लागत और लाभों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन महत्वपूर्ण है।
- रणनीतिक फोकस: व्यवहार्यता और व्यावहारिकता पर विचार करते हुए उन्मूलन के लिए उच्च प्रभाव और कम प्रसार वाले रोगों को प्राथमिकता दें।

निगरानी प्रणाली और तैयारी:

- निगरानी में निवेश: बीमारी की हर घटना को पकड़ने और उन्मूलन के बाद पुनः संक्रमण का पता लगाने के लिए मजबूत निगरानी प्रणाली विकसित करना आवश्यक है।
- बुनियादी ढांचे को मजबूत करना: प्रयोगशालाओं को मजबूत करना, दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उन्मूलन रणनीतियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्यबल को प्रशिक्षित करना।
- निरंतर निगरानी: रोगजनक के पुनः प्रवेश को रोकने के लिए उन्मूलन के बाद भी निगरानी के प्रयास जारी रहने चाहिए।

उन्मूलन के लिए क्षेत्रीय दृष्टिकोण:

- क्षेत्रीय कार्यान्वयन के लाभ: बहुक्षेत्रीय सहयोग और नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर अधिक प्रभावी होते हैं।
- चरणबद्ध उन्मूलन: परिभाषित भौगोलिक क्षेत्रों में उन्मूलन रणनीतियों को लागू करें, धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाएं।
- राष्ट्रीय स्वामित्व और समर्थन: जिस प्रकार क्षेत्रीय कार्यान्वयन आगे बढ़ रहा है, उस प्रकार राष्ट्रीय और राज्य सरकारों को तकनीकी और भौतिक सहायता प्रदान करनी चाहिए और प्रगति की निगरानी करनी चाहिए।

सारांश:

- रोग उन्मूलन की रणनीति क्षेत्रीय कार्यान्वयन, कठोर निगरानी और राजनीतिक प्रतिबद्धता पर जोर देती है। संसाधन चुनौतियों के बावजूद, प्रभाव और व्यवहार्यता के आधार पर बीमारियों को प्राथमिकता देने से सफल उन्मूलन प्रयास हो सकते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य में वृद्धि हो सकती है।

नाइजीरिया में व्यापक अपहरणों पर:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतराष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रारंभिक परीक्षा: नाइजीरिया के आसपास के देशों का मानचित्र कार्य।

संदर्भ:

- नाइजीरिया में गंभीर आर्थिक संकट और बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच देश में बड़े पैमाने पर अपहरण, विशेष रूप से स्कूली बच्चों को निशाना बनाने में वृद्धि हुई है।
- फरवरी के अंत से, पूर्वोत्तर और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में कम से कम 300 स्कूली बच्चों सहित 600 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया गया है।

अपराधी और प्रेरणाएँ:

- बोको हराम, जो नाइजीरिया में हिंसा के इतिहास के लिए जाना जाता है, शुरू में मुख्य संदिग्ध समूह के रूप में उभरा था।
- हालाँकि, किसी भी संगठन ने हाल के अपहरणों की ज़िम्मेदारी नहीं ली है।
- संदेह स्थानीय सशस्त्र समूहों की ओर इशारा करता है, जिन्हें डाकू कहा जाता है, जो फिरौती के लिए अपहरण में शामिल होते हैं।
- ये डाकू ज़मीन और पानी के विवादों से संगठित सशस्त्र गुटों में विकसित हुए हैं।

उछाल को बढ़ावा देने वाले कारक:

- इनमें नाइजीरिया की संघर्षरत अर्थव्यवस्था, उच्च बेरोजगारी दर, बढ़ती मुद्रास्फीति (inflation) और नाइजर डेल्टा में अस्थिरता शामिल हैं।
- फिरौती का भुगतान अपहरण के पीछे एक प्राथमिक प्रेरणा बन गया है, सशस्त्र गिरोह क्षेत्रों को नियंत्रित कर रहे हैं और हथियार जमा कर रहे हैं।
- आर्थिक हताशा युवाओं को इन आपराधिक समूहों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है।

सरकारी प्रतिक्रिया और चुनौतियाँ:

- राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने 2022 में अधिनियमित एक कानून का हवाला देते हुए लगभग 600 अपहृत व्यक्तियों के लिए फिरौती का भुगतान करने के विचार को खारिज कर दिया है, जो कम से कम 15 साल की जेल के साथ फिरौती के भुगतान को दंडित करता है।
- सुरक्षा बल पीड़ितों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए अभियान चला रहे हैं, लेकिन दूरदराज के स्थानों के कारण यह प्रक्रिया लम्बी हो जाती है जहां बंधकों को रखा जाता है। अतः संघर्ष को शांतिपूर्वक हल करने के लिए डाकुओं के साथ बातचीत की मांग की जा रही है।

सारांश:

- नाइजीरिया के आर्थिक संकट और सुरक्षा चुनौतियों के बीच, बड़े पैमाने पर अपहरण की घटनाओं में वृद्धि हुई है, विशेषकर स्कूली बच्चों को निशाना बनाकर। अपराधी, जिनके बारे में संदेह है कि वे स्थानीय सशस्त्र समूह हैं, फिरौती के लिए काम करते हैं। अब सरकार पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने का दबाव है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. कर्नाटक ने कुछ रंग एजेंटों पर प्रतिबंध क्यों लगाया है?

संदर्भ:

- तमिलनाडु और गोवा में इसी तरह की कार्रवाई के बाद, कर्नाटक ने खाद्य उत्पादों में कुछ रंग एजेंटों पर प्रतिबंध लागू कर दिया है।
- यह निर्णय सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से उपजा है, जिसमें खाद्य नमूनों में हानिकारक रसायनों का खुलासा हुआ है।
- रंग एजेंट (colouring agents): रंग भरने वाले एजेंट ऐसे पदार्थ होते हैं जो अन्य पदार्थों को रंग देते हैं जो रंग से रहित होते हैं (पारदर्शी, सफेद, या ग्रे) या उस पदार्थ का रंग बदल देते हैं जिसका रंग पहले से ही अलग होता है।

मुद्दा:

- कॉटन कैंडी और गोभी मंचूरियन में हानिकारक रसायन पाए गए, जिससे प्रतिबंध लगाना पड़ा।
- असुरक्षित नमूनों में सनसेट येलो, टार्ट्राज़िन और रोडामाइन-बी जैसे पदार्थों की मौजूदगी ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बढ़ा दीं।
- हालांकि टार्ट्राज़िन (Tartrazine) को मंजूरी मिल गई है, लेकिन इसके उपयोग पर प्रतिबंध है, खासकर ताजा तैयार खाद्य पदार्थों में।

महत्व:

- यह प्रतिबंध कृत्रिम रंगों वाले स्नैक्स के लंबे समय तक सेवन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को संबोधित करता है, जो संभावित रूप से कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं।
- खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत अपराधियों के लिए भारी जुर्माना और जेल के समय सहित कानूनी दंड की रूपरेखा तैयार की गई है।
- प्रतिबंध का तत्काल कार्यान्वयन सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- जागरूकता अभियानों का उद्देश्य निर्माताओं और उपभोक्ताओं दोनों को खाद्य उत्पादों में कृत्रिम रंगों से जुड़े जोखिमों के बारे में शिक्षित करना है।
- यादृच्छिक जांच (Random checks) से नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा, अन्य लोकप्रिय खाद्य पदार्थों की भी जांच की जाएगी जहां रंग एजेंटों का उपयोग किया जाता है।

2. बीईएमएल ने मुख्य युद्धक टैंकों के लिए स्वदेशी 1,500 एचपी इंजन का परीक्षण किया:

संदर्भ:

- बीईएमएल ने मुख्य युद्धक टैंकों के लिए भारत के उद्घाटन 1,500-हॉर्सपावर इंजन के परीक्षण से संबंधित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया।

सम्बन्धित जानकारी:

- स्वदेशी इंजीनियरिंग उपलब्धि: यह इंजन मुख्य युद्धक टैंकों के लिए शक्तिशाली 1,500 एचपी इंजन के उत्पादन में भारत के पहले स्वदेशी प्रयास का प्रतीक है।
- अत्याधुनिक विशेषताएं: 1500 एचपी का यह इंजन सेना की प्रोपल्शन सिस्टम में एक नये बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें उच्च शक्ति-के समक्ष-भार का अनुपात, उंचाई वाले स्थानों, शून्य से नीचे तापमान और रेगिस्तानों सहित कठिन परिस्थितियों में संचालन क्षमता जैसी कई अत्याधुनिक विशेषतायें शामिल हैं।
- वैश्विक समानता: आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह इंजन पूरी दुनिया में उपलब्ध सबसे आधुनिक इंजनों की बराबरी वाला है।

महत्व:

- परिवर्तनकारी क्षण: रक्षा सचिव, गिरिधर अरमाने ने इस उपलब्धि को एक परिवर्तनकारी क्षण बताया, जो सशस्त्र बलों की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा।
- विकासात्मक चक्र: अगस्त 2020 में शुरू हुई इस परियोजना को समय पर पूरा करने और कड़े गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए पांच प्रमुख मील के पथर में सावधानीपूर्वक संरचित किया गया था।

3. नासा के जिस यान ने अंतरिक्ष की चट्टान का रास्ता बदला और उसका आकार भी बदल दिया:

संदर्भ:

- वर्ष 2022 में, NASA ने क्षुद्रग्रह डिमोर्फोस के प्रक्षेप पथ को बदलने के लिए डार्ट (DART) अंतरिक्ष यान लॉन्च किया था।

- इस मिशन का उद्देश्य पृथ्वी को संभावित टकरावों से बचाने के लिए आकाशीय पिंडों की दिशा को मोड़ने की व्यवहार्यता प्रदर्शित करना था।

सम्बन्धित जानकारी:

- DART के प्रभाव ने न केवल डिमोर्फोस के प्रक्षेप पथ को बदल दिया, बल्कि इसका आकार भी बदल दिया, इसे एक गेंद से एक त्रिअक्षीय दीर्घवृत्त में बदल दिया।
- डिमोर्फोस, डिडिमोस का एक चंद्रमा, मलबे से बना है, जो इसे प्रभाव पर विरूपण के लिए अतिसंवेदनशील बनाता है।
- डार्ट (DART) 26 सितंबर, 2022 को डिमोर्फोस से टकरा गया, जिससे इसकी कक्षा और कक्षीय अवधि बदल गई।
- टक्कर के परिणामस्वरूप डिमोर्फोस का चट्टानी मलबा अंतरिक्ष में उछल गया।

महत्व:

- DART मिशन ने ग्रह रक्षा रणनीतियों को बढ़ाते हुए, क्षुद्रग्रहों को पुनर्निर्देशित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया।
- यह अध्ययन मलबे के ढेर वाले क्षुद्रग्रहों की गतिशीलता और गतिज प्रभावों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- डिमोर्फोस के कक्षीय परिवर्तनों का सटीक माप भविष्य के क्षुद्रग्रह इंटरैक्शन को समझने और भविष्यवाणी करने के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करता है।
- निरंतर अवलोकन से डिमोर्फोस की कक्षा में चल रहे परिवर्तनों का पता चलता है, जो कोणीय गति के जारी होने के कारण इसकी कक्षीय अवधि के क्रमिक क्षय का संकेत देता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. रोडामाइन-बी (Rhodamine-B) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: रोडामाइन-बी एक प्रकार की फ्लोरोसेंट डाई है जिसका उपयोग आमतौर पर कपड़ा उद्योग में कपड़ों की रंगाई के लिए किया जाता है।

कथन II: रोडामाइन-बी को एक गैर विषैले पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इसका मानव स्वास्थ्य या पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
- (c) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
- (d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है।

उत्तर: c

प्रश्न 2. रोहिंग्या मुसलमानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: रोहिंग्या मुसलमान म्यांमार में रहने वाला एक उत्पीड़ित अल्पसंख्यक समूह है।

कथन 2: म्यांमार सरकार ने उन्हें नागरिकता के अधिकार से वंचित कर दिया है।

कथन 3: रोहिंग्या मुसलमान नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के लाभार्थी हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) सभी तीनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

प्रश्न 3. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

कथन I: सीसीआई भारत में प्रतिस्पर्धा कानूनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार एक वैधानिक निकाय है।

कथन II: सीसीआई विलय, अधिग्रहण और संयोजनों की समीक्षा करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके परिणामस्वरूप एकाधिकार का निर्माण न हो या बाजार में प्रतिस्पर्धा कम न हो।

कथन III: सीसीआई प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाई जाने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगा सकती है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल कथन I और II सत्य हैं।
- (b) केवल कथन II और III सत्य हैं।
- (c) केवल कथन I और III सत्य हैं।
- (d) सभी कथन I, II और III सत्य हैं।

उत्तर: d

प्रश्न 4. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

कथन I: आईएमएफ भुगतान संतुलन की समस्या से जूझ रहे सदस्य देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

कथन II: आईएमएफ संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो आर्थिक विकास पर केंद्रित है।

कथन III: आईएमएफ ने वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट प्रकाशित की हैं।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल कथन I और II सही हैं।
- (b) केवल कथन II और III सही हैं।
- (c) केवल कथन I और III सही हैं।
- (d) सभी कथन I, II और III सही हैं।

उत्तर: a

प्रश्न 5. इस्पात स्लैग निम्नलिखित में से किसके लिए सामग्री हो सकता है?

1. आधार-सड़क के निर्माण के लिए
2. कृषि मृदा के सुधार के लिए
3. सीमेंट के उत्पादन के लिए

निचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. संचारी रोगों के उन्मूलन और नियंत्रण हेतु भारत द्वारा अपनाई गई रणनीतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इन उन्मूलन प्रयासों में आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन करते हुए स्वास्थ्य से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में ऐसे कार्यक्रमों की प्रभावशीलता में सुधार के लिए उपाय भी सुझाएं। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, स्वास्थ्य]

(Critically examine the strategies employed by India in the eradication and control of communicable diseases. Evaluate the challenges faced in these eradication efforts and suggest measures for improving the effectiveness of such programs in achieving the Sustainable Development Goals (SDGs) related to health. (15 marks, 250 words) [GS-2, Health])

प्रश्न 2. LGBTQ+ समुदायों के संवैधानिक अधिकारों के साथ पारंपरिक सामाजिक मूल्यों को संतुलित करने में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-1, सामाजिक मुद्दे]

(Discuss the role of the judiciary in balancing traditional societal values with the constitutional rights of LGBTQ+ communities. (15 marks, 250 words) [GS-1, Social Issues])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

